

Part A: Introduction			
Program: Degree		Class:	Year: III
Session: 2023-2024			
Subject: Geography			
1.	Course Code	A3-GEOG2G	
2.	Course Title	<i>Agricultural Geography</i>	
3.	Course Type (Core/ Discipline Specific Elective/ Generic Elective/ Vocational/...)	Generic Elective	
4.	Pre-requisite (If any)	To study this course, a student must have had this subject in Diploma. (Open for All)	
5.	Course Learning Outcomes (CLO)	After the completion of course, the students will be able to: <ol style="list-style-type: none"> 1. Conceptualize the Agriculture and its determinants. 2. Get the overview of Indian and World Agriculture regions and systems. 3. Have sound knowledge of Agricultural Revolutions and food Security 4. Comprehend the concept of land use and land capability 	
6.	Credit Value	6	
7.	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks: 35

Kusum
18/11/22

Part B: Content of the Course		
Total numbers of lectures (in hours per week): 3 hours per week		
Total Lectures : 90 hours		
Unit	Topic	No. of Hours
I	CONCEPT OF AGRICULTURAL GEOGRAPHY: 1. Definition, Nature and Scope, 2. Approaches to study: Commodity, Systematic and Regional; 3. Origin and dispersion of agriculture, 4. Determinants of agricultural 5. Land use: Physical, Economic, Social Technological and Institutional.	18
II	LAND USE AND LAND CAPABILITY: 1. Concept and classification of land use: 2. Measures of agricultural productivity: Cropping intensity, Agricultural efficiency and Crop combination: Diversification and Specification: 3. Theory of agricultural location-Von Thunen.	18
III	AGRICULTURAL TYPOLOGY AND REGIONS: 1. Kostroviski scheme of Agricultural Typology: 2. Whittlesey's classification of agricultural regions; 3. Methods of Agricultural Regionalization.	18
IV	AGRICULTURE IN INDIA: 1. Salient features of Indian agriculture: 2. Types of farming in India: 3. Agro-Climatic regions of India and Madhya Pradesh, 4. Major crops of India and Madhya Pradesh.	18
V	CHANGING PATTERNS OF AGRICULTURE IN INDIA: 1. Green Revolution and its impacts: 2. White Revolution; 3. Food Security Food Deficit and Food Surplus Regions, 4. Specific problems in Indian Agriculture and their management; 5. Agricultural policies and measures of agricultural development in India.	18
	Keywords/Tags: Land use, Land Capability, Typology, Agro Climatic Regions, Food Security	

Knsun
18/11/22

Part C: Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Noor Mohammad, Ed New Dimensions in Agricultural Geography.
2. Basu, D N and Cuha, G S, Agra Climatic Regional Planning in India. Vol. I & II Concept Publication New Delhi (1996)
3. Grigg, D.B. Introduction to Agricultural Geography – Hutchinson, London (1984)
4. Hussain, M Systematic Agricultural Geography Rawat Publications, Jaipur (Hindi & English).
5. Mohammad, N. New Dimension in Agriculture Geography Vol. I & VIII Concept Publisher, New Delhi (1992)
6. Shafi, M. Agricultural Geography Dorling Kindersley India Pvt. Ltd. Delhi (2006)
7. बी.एल.शर्मा- कृषि भूगोल, साहित्य प्रकाशन अकादमी।
8. प्रमिला कुमार : कृषि भूगोल, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
9. गौतम, अलकाकृषिभूगोलशरदापुस्तकभवनइलाहाबाद2009

Suggested equivalent online course:

1. epgp.inflibnet.ac.in
2. <https://www.eshiksha.mp.gov.in/>
3. Virtual lectures available on YouTube

Part D: Assessment and Evaluation (Theory)

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks: 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 30
University Exam (UE): 70

Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):	Class Test Assignment/ Presentation	30
External Assessment: University Exam Section: Time : 03.00 Hours	Section (A): Very Short Questions Section (B): Short Questions Section (C): Long Questions	70

Knsun
18/11/22

भाग 'अ' -परिचय			
कार्यक्रम:उपाधि (डिग्री)	कक्षा:	वर्ष:तृतीय	सत्र: 2023-2024
विषय -भूगोल			
1.	पाठ्यक्रम का कोड	A3 - GEOG2G	
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रश्न पत्र - 2 : कृषि भूगोल	
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिकइलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	जेनेरिक इलेक्टिवकोर्स	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स के अध्ययन के लिए छात्र ने डिप्लोमा किया हो। यह पाठ्यक्रम सभी के लिए उपलब्ध है (Open for All)।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी : <ol style="list-style-type: none"> 1. कृषि एवं उसके निर्धारकों की संकल्पना को समझ सकेंगे 2. भारत एवं विश्व के कृषितंत्र एवं प्रदेश का अवलोकन एवं विश्लेषण कर सकेंगे। 3. कृषि क्रांतियों और खाद्यान सुरक्षा के बारे में गहरी पकड बना सकेंगे। 4. भूमि उपयोग और भूमि क्षमता की संकल्पना को समझ सकेंगे 	
6.	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक- 6	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक :30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35

Kusum
18/11/22

भाग 'ब' - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह (घंटे में) : 3 घण्टे प्रति सप्ताह		
कुल व्याख्यान : 90 घण्टे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	कृषि भूगोल की अवधारणा - 1. परिभाषा, प्रकृति एवं विषयवस्तु। 2. अध्ययन के उपागम: वस्तु उपागम, क्रमबद्ध एवं प्रादेशिक। 3. कृषि का उद्भव एवं प्रसार। 4. कृषिभूमि - उपयोग के निर्धारक तत्व : भौतिक, आर्थिक, समाजिक, तकनीकी एवं संस्थागत	18
II	भूमि उपयोग एवं भूमि क्षमता - 1. भूमि उपयोग की संकल्पना एवं वर्गीकरण। 2. कृषि उत्पादकता के मापक : शस्यगहनता, कृषि - दक्षता एवं शस्य-संयोजन : विविधिकरण एवं विशिष्टीकरण। 3. कृषि अवस्थिति के सिद्धान्त - वॉनथ्यूनेन।	18
III	कृषि प्रकारिकी एवं कृषि-प्रदेश - 1. कोस्ट्रोविकीकी कृषि प्रकारिकी योजना। 2. व्हिटलसी के अनुसार कृषि प्रदेशों का वर्गीकरण। 3. कृषि प्रदेशीकरण की विधियाँ।	18
IV	भारत में कृषि- 1. भारतीय कृषि की विशेषताएँ। 2. भारत में कृषि के प्रकार। 3. भारत और मध्यप्रदेश के कृषि-जलवायिक प्रदेश। 4. भारत एवं मध्यप्रदेश की प्रमुख फसलें।	18
V	भारत में कृषि का बदलता प्रतिरूप - 1. हरितक्रांति एवं उसके प्रभाव। 2. श्वेतक्रांति। 3. खाद्यसुरक्षा, खाद्यअल्पता और खाद्य अधिकता के प्रदेश। 4. भारतीय कृषि की विशिष्ट समस्याएँ एवं उनका प्रबंधन। 5. भारत में कृषि नीतियाँ एवं कृषि विकास के मापक।	18
	सार बिंदु (कीवर्ड) / टैग: भूमि उपयोग, भूमि क्षमता, प्रकारिकी, कृषि जलवायु प्रदेश, खाद्य सुरक्षा।	

Kundum
18/11/22

भाग स- अनुशासित अध्ययन ससाधन

पाठ्य पुस्तक, सदभ पुस्तक, अन्य ससाधन

अनुशासित सहायक पुस्तक /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य ससाधन/पाठ्य सामग्री:

1. Noor Mohammad, Ed New Dimensions in Agricultural Geography.
2. Basu, D N and Cuha, G S, Agra Climatic Regional Planning in India. Vol. I & II Concept Publication New Delhi (1996)
3. Grigg, D.B. Introduction to Agricultural Geography - Hutchinson, London (1984)
4. Hussain, M Systematic Agricultural Geography Rawat Publications, Jaipur (Hindi & English).
5. Mohammad, N. New Dimension in Agriculture Geography Vol. I & VIII Concept Publisher, New Delhi (1992)
6. Shafi, M. Agricultural Geography Dorling Kindersley India Pvt. Ltd. Delhi (2006)
7. शर्मा बी.एल., कृषि भूगोल- साहित्य प्रकाशन अकादमी।
8. कुमार प्रमिला, कृषि भूगोल- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।
9. गौतम अलका, कृषि भूगोल- शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद (2009)

अनुशासित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1. epgp.inflibnet.ac.in
2. <https://www.eshiksha.mp.gov.in/>
3. यूट्यूब पर उपलब्ध वर्चुअल व्याख्यान

भाग द -अनुशासित मूल्यांकन विधियां

अनुशासितसतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30
विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट, असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रजेन्टेशन)	30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न, अनुभाग (ब): लघु प्रश्न, अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70

Kusum
18/11/22